

अनुक्रमणिका

प्राक्कथन	vii	खण्डवाक्य	१४३३
संकेत-सहित ग्रन्थनामसूची	xiii	ख्याति	१४३३
सन्दर्भ ग्रन्थ सूची	xix	ख्यातिवाद	१४३४
दर्शनानुसार शब्दशीर्षक सूची	xxxvii	गति (औदयिक भाव)	१४३५
कुर्वद्रूपत्व	१३०९	गन्धर्वनगर	१४३६
कुश्रुत (मिथ्याज्ञान)	१३१२	गुण	१४३७
कूटस्थ	१३१२	गुणत्व	१४५२
कूटस्थनित्यता	१३१४	गुण-परिणाम	१४५३
कृतकत्व	१३१५	गुणपर्व	१४५६
कृत्स्न	१३१५	गुणवाद	१४५६
केवल	१३१६	गुणस्थान (क)	१४५७
केवल-ज्ञान	१३१७	गुणस्थान (ख)	१४६०
केवलदर्शन	१३२०	गुणानुवाद	१४६१
केवलप्रमाण	१३२१	गौण (कर्म)	१४६२
केवलव्यतिरेकी	१३२१	गौणी वृत्ति (लक्षणा)	१४६४
केवलान्वयी	१३३९	गौरव	१४६८
केवलिन् (केवली)	१३४९	ग्रन्थि	१४६८
कैवल्य	१३५३	चक्रक	१४७०
कोश	१३५९	चक्षुर्दर्शन	१४७०
क्रम	१३६२	चतुर्व्यूह	१४७१
क्रिया	१३७६	चतुष्टयसन्निकर्ष	१४७१
क्रियातिपत्ति (क्रियातिपात)	१४०७	चारित्र	१४७२
क्रियानय	१४०८	चार्वाक दर्शन	१४७७
क्रियायोग	१४०९	चित्=चिति	१४८८
क्रियासन्तान	१४०९	चित्त	१४९५
क्रियासमभिहार	१४०९	चित्तक्षण	१५०४
क्रोध (कषाय)	१४१०	चित्तपरिकर्म	१५०६
क्लेश	१४१०	चित्तपरिणाम	१५०८
क्षण	१४१७	चित्तभूमियाँ	१५१२
क्षणिक	१४२३	चित्तविक्षेप	१५१३
क्षय (आत्यन्तिक आवरणनाश)	१४२४	चित्तवृत्ति	१५१४
क्षयोपशम	१४२५	चित्तसत्त्व	१५१८
क्षायिक भाव	१४२५	चिदाभास	१५१९
क्षायोपशामिक भाव	१४२६	चेतना	१५२०
क्षेम	१४२८	चेतस्	१५२०
क्षैमिक	१४२८	चेष्टा	१५२०
खण्डन	१४२८	चैतन्य	१५२१

चैतसिक	१५२७	जीव (आत्मा)	१५८१
चैत	१५२९	जीवन्मुक्ति	१६१९
चोद्य	१५३४	जीवस्थान	१६२३
छल	१५३४	जीवास्तिकाय	१६२४
जन्म	१५३६	ज्ञातता	१६३२
जप	१५३८	ज्ञान	१६३६
जल्प	१५३९	ज्ञान (उपयोग)	१६६८
जहत्स्वार्था	१५३९	ज्ञाननय	१६६८
जहदजहत्स्वार्था	१५४२	ज्ञानलक्षणा प्रत्यासत्ति	१६६९
जहदजहल्लक्षणा	१५४२	ज्ञानावरण	१६७२
जहल्लक्षणा	१५४५	ज्योतिष्मती	१६७२
जाग्रत्	१५४६	तज्जलान् (शाण्डिल्य-विद्या)	१६७४
जाति	१५४६	तटस्थलक्षण	१६७५
जाति (उत्तरदोष)	१५५७	तत्कालीनत्व	१६७५
जाति (जन्म)	१५६९	तत्ता	१६७६
जातिबाधक	१५७०	तत्त्व	१६७७
जाति-स्फोट	१५७७	तत्त्वज्ञान	१६८४
जिज्ञासा	१५८०		

निर

हुआ

है।

'रूप

इस

अर्थात्

उपाध

'कुर्वन्

को प्र

अर्थात्

रूप कु

फलजन

में अतिश

है। इस

विवरण-

बौद्ध

प्रतीत्यसमु

समुत्पाद ह

जो कार्यक्ष

गया है।

र

म

त्र

प्र

स

अर्थात् पृथिव

जिन के द्वार

अनावरण तथ

अङ्कुर की

समवाय से ज

होता है।